**बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था**

# सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – २० जून, २००४)

| ( समय : सुबह ९:०० से १२:०० ) | सत्संग प्रवीण - १ | कुल प्राप्तांक : १०० |
|---|---|---|

**नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।**

## विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - गुजराती आठवी आवृत्ति, अप्रैल २०००

**प्रश्न.१. निम्न में से किन्हीं दो विषयों के संदर्भ में शास्त्र के तीन तीन प्रमाण दीजिए । ( ६ गुण )**

१. जो मूर्तिमान है वह व्यापक कैसे हैं ? २०

२. परब्रह्म पुरुषोत्तमनारायण - एक एवं अद्वितीय । ५१

३. भगवान का केवल एक ही प्रकट स्वरूप होता है । ८६

४. भगवान कर्ता कैसे है ? ६

**प्रश्न.२. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । ( ५ गुण )**

१. मारी दृष्टिए जक्त उपजे शमे, अनेक रूपे माया थई । ८

२. भगवान की मूर्ति की उपासना किए बीना आत्मा और ब्रह्म दृष्टिगोचर हो ही नहीं सकते । ३

३. परमेश्वर तो देश, काल, कर्म और माया की सत्ता को जितना चलने देते हैं, उतनी हद तक ही उनकी गतिविधि रहती है । ७

४. वेदादिक चार शास्त्रों द्वारा भगवान के स्वरूप को समझ लेता है, तभी उसे भगवान के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान होता है । १७

५. वे ग्रंथ भले ही बुद्धिमान पुरुषों द्वारा निर्मित किया गया हो, तो भी उनका कभी भी पढ़न एवं श्रवण नहीं करना चाहिए । १३

**प्रश्न.३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखो । ( ४ गुण )**

**नोंध : एक विकल्प से ज्यादा ( दो और तीन भी ) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिये जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।**

१. स्वामी अक्षर है एसा कौन-से परमहंसों ने समझा एवं प्रतिपादित किया ? १४३

(अ) गोपालानंद स्वामी

(ब) नृसिंहानंद स्वामी

(क) व्यापकानंद स्वामी

(ड) विज्ञानानंद स्वामी

२. श्रीजीमहाराज का सर्वोपरि होना किन परमहंसों के कथनानुसार ३९

(अ) अक्षर पर पुरुषोत्तम जेह, तेणे धर्युं मनुष्य देह ।

(ब) आषाढ़ी मेघे आवी कर्या रे, झाझा बीजा झाकळ ।

(क) इस खड्डे में तो पड़े ही हैं ।

(ड) तेज़ तेज़ जियां तेज़ अंबार, तेजोमय तन तेना रे ।

**प्रश्न.४. निम्न में से किन्हीं एक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । ( बारह पंक्ति में ) ( ४ गुण )**

१. मुक्तानंद स्वामी द्वारा प्रकट के शास्त्र की रचना । ७४

२. वाघा खाचर की दृष्टि निवारण हो गई । १३६

३. कबूतर के कबूतर । (बहुत भोले रहे ।) ५७

**प्रश्न.५. किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए । ( बारह पंक्ति में ) ( ८ गुण )**

१. स्वामी सेवक भाव से उपासना । १०५

२. भगवान सर्वोपरि है यह निष्ठा आवश्यक है । ३४

(पृष्ठ पलटिये)

३. अक्षरब्रह्म और परब्रह्म का संबंध । ११९

४. दिव्यभाव समझने की आवश्यकता । २५

**प्रश्न.६. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। ( बारह पंक्ति में ) ( ८ गुण )**

१. भगवान की मूर्ति का सुख पाने के लिए उपासना ही श्रेष्ठ साधना है । ३

२. बहुत ठंड़ी में भी महाराज को गर्मी लगने लगी । १३०

३. घनश्यामदास ने गुणातीतानंद स्वामी को चक्रवर्ती कहा । १४४

४. उत्तम भक्त बनने के लिए प्रमुखस्वामी महाराज की सेवा करनी चाहिए । ९४

**प्रश्न.७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । ( ८ गुण )**

**( उपासना में क्या समझना ? )**

१. अक्षरब्रह्म एक ही है ..... सेवक के रूप में रहते हैं । १५८

२. सद्‌गुण स्वरूप और ..... अति सूक्ष्म है । १५८

३. अक्षरब्रह्म सगुणवेण ..... अंत में भी रहता है । १५८

४. परब्रह्म पुरुषोत्तमनारायण ..... है । १५५

५. पुरुषोत्तम की अन्यव-व्यतिरेक्ता ..... भिन्न भिन्न है । १५६

**( उपासना में क्या न समझना ? )**

१. अक्षरब्रह्म तथा पुरुषोत्तमनारायण ..... नहीं समझना चाहिए । १५६

२. पुरुषोत्तमनारायण अद्वितीय ..... नहीं समझना चाहिए । १५५

३. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान ..... नहीं समझना चाहिए । १५८

**प्रश्न.८. श्रीजीमहाराज के शब्दों में गुणातीतानंद स्वामी अक्षर हैं । ( किन्हीं तीन प्रसंग लिखें । ) ( १२७ ) ( ५ गुण )**

## विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - गुजराती चतुर्थ आवृत्ति, मार्च १९९८ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

**प्रश्न.९. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह बताइए। ( ६ गुण )**

१. ''मुझे वहाँ से दौड़ते हुए आना पड़ा ।'' (स.वा.भा.-३) २

२. ''एक ब्रह्मांड का प्रलय किया और एक ब्रह्मांड का निर्माण किया ।'' (स.वा.भा.-३) २६

३. ''उन्होंने मुझे अपने धर्म में ही आस्था रखने को कहा ।'' (युगविभूति) ५७

४. ''स्वयं मेहनत करें । हराम का क्यों खाते हो ?'' (युगविभूति) ४५

**प्रश्न.१०. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। ( बारह पंक्ति में ) ( ६ गुण )**

१. भगादोशी ने अपनी भूल क़बूल की । (स.वा.भा.-३) ७९

२. महाराज ने काठियों को कहा कि अपने घर पर आप इस तरह अनाज बिगाड़ते रहते हो क्या ? (स.वा.भा.-३) ६७

३. युवक विद्यार्थी सिसक सिसक्कर रोने लगा । (युगविभूति) २३

४. नरेन्द्रप्रसाद स्वामी स्वामीश्री के देवत्व में खो गए । (युगविभूति) ४१

**प्रश्न.११. निम्न विषय पर मुद्‌दासर विवरण लिखिए । ( बारह पंक्ति में ) ( ८ गुण )**

१. धर्मपुर में मुक्तानंद स्वामी । (स.वा.भा.-३) ५८

**अथवा**

१. रघुवीरजी महाराज की संतों के प्रति सेवा भावना । (स.वा.भा.-३) ४९

२. आई हेव गॉड़, मेरे पास धन नहीं । (युगविभूति) २७

**अथवा**

२. स्वामीश्री और मिस्टर फ्रेंक । (युगविभूति) ५६

**प्रश्न.१२. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ( ६ गुण )**

१. निष्कुलानंद स्वामी रचित कौन-सा ग्रंथ आज घर घर में गुंज रहा है ? (स.वा.भा.-३) ४४

२. गोपालानंद स्वामी ने सत्संग में कौन-सी अमूल्य साहित्य सेवा प्रदान की है ? (स.वा.भा.-३) १३

३. शिवलालभाई सेठ किस प्रकार ध्यान लगाते थे ? (स.वा.भा.-३) ८३

४. बीमार विद्यार्थी को स्वामीश्रीने क्या पिलाया ? (युगविभूति) २८

५. हनुमानमढ़ी के मंदिर में किसका गुणगान होता था ? (युगविभूति) ९

६. वर्षों के बीत जाने पर गणेश क्या सवाल करता है ? (युगविभूति) ३२

**प्रश्न.१३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखो ।** **( ६ गुण )**

**नोंध : एक विकल्प से ज्यादा ( दो और तीन भी ) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।**

१. मुक्तानंद स्वामीने स्त्रीओं के लिये कौन से ग्रंथ बनाये ? २५

(अ) उद्धव गीता ।

(ब) रुक्ष्मणि विवाह ।

(क) सती गीता ।

(ड) मुकुंदबावनी ।

२. निष्कुलानंद स्वामी की साहित्य रचना । ४४

(अ) भक्तिनिधि

(ब) निर्णय पंचक

(क) स्नेह गीता

(क) भगवत् दशम

३. प्रमुखस्वामीश्री की निष्ठा, समर्पण एवं अटूट भक्ति । (युगविभूति) २०

(अ) जहर देने वाले व्यक्ति की चालीस वर्षों तक सुरक्षा एवं देखभाल करते रहे ।

(ब) भगवान की आज्ञा को लक्ष में रखकर मूर्तियों में रहकर कार्य करते हैं ।

(क) कंचन और काम से मुक्त ।

(ड) मैं का भाव छोड़कर भगवान को सर्वकर्ता माने ।

## विभाग-३ : निबंध

**प्रश्न.१४. निम्न में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्तियों में निबंध लिखिए।** **( २० गुण )**

१. सुख की मास्टर चाबी याने संत ।

२. सामाजिक उत्थान में बालप्रवृत्ति का योगदान ।

३. भूकंपग्रस्तों की सेवा में : स्वयंसेवकों की समर्पित सेना ।

**नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १८ जुलाई, २००४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।**

---

**प्रति,**

**परीक्षा व्यवस्थापक ( दिनांक २० जून, २००४. परीक्षा - सत्संग प्रवीण - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १२:०० )**

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

६०१

परीक्षार्थी की अटक :

परीक्षार्थी का नाम :

पिता / पति का नाम :

परीक्षा स्थल का नाम :

परीक्षार्थी की सही :

परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षा दी तब का समय :

बैठक क्रमांक : | | | | | | |

केंद्र नंबर : | | | | |

केंद्र का नाम :

**नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सब विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें । सिर्फ़ कक्ष में ( बैठक कक्ष में ) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।**